आनंदालय

वार्षिक परीक्षा

कक्षा : आठवीं

विद्या सर्वार्थ साधिका

विषय : हिंदी | अधिकतम अंक : 80

दिनांक : 15-03-2025 | निर्धारित समय : 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं।
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए।
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है।
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए।

खंड - 'क'

1. नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

चाणक्य के अनुसार, हमें इन तीनों उपक्रमों में कभी संतोष नहीं करना चाहिए - 'त्रिषु नैव कर्तव्यः विद्यायां जप दानयोः ।' अर्थात् विद्या अर्जन में कभी संतोष नहीं करना चाहिए कि बस, बहुत ज्ञान अर्जित कर लिया । इसी तरह जप और दान करने में भी संतोष नहीं करना चाहिए । संतोष को महत्त्व देते हुए कहा गया है कि 'जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान ।' हमें जो प्राप्त हो उसमें ही संतोष करना चाहिए ।

'साईं इतना दीजिए जा में कुटुंब समाय । मैं भी भूखा न रहूँ, साधू न भूखा जाए ।' अर्थात् संतोष सबसे बड़ा धन हैं। जीवन में संतोष रहा, शुद्ध-सात्विक आचरण और शुचिता का भाव रहा तो हमारे मन के सभी विकार दूर हो जाएँगे और हमारे अंदर सत्य, निष्ठा, प्रेम, उदारता, दया और आत्मीयता की गंगा बहने लगेगी। आज के मनुष्य की सांसारिकता में बढ़ती लिप्तता, वैश्विक बाज़ारवाद और भौतिकता की चकाचौंध के कारण संत्रास, कुंठा और असंतोष दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है । इसी असंतोष को दूर करने के लिए संतोषी बनना आवश्यक हो गया है । सुखी और शांतिपूर्ण जीवन के लिए संतोष सफल औषधि है ।

(i) मनुष्य को किसके प्रति संतोष नहीं करना चाहिए - (1)

(क) दान (ख) धन (ग) मान (घ) अस्त्र-शस्त्र

(ii) मनुष्य को किसमें संतोष रखना चाहिए ? (1)

(क) जो हमसे लिया गया हो । (ख) जो हमें प्राप्त हो ।

(ग) जो हमें किसी को देना हो । (घ) किसी ज़रूरतमंद व्यक्ति से लेना हो ।

(iii) हमारे अंदर कब दया, उदारता और आत्मीयता की गंगा बहने लगेगी ? (1)

(क) जब हमारे मन में मैल आ जाए । (ख) जब दूसरों के प्रति ईर्ष्या आ जाए ।

(ग) हमारे मन में जब संतोष आ जाए । (घ) हमारे मन में जब भेदभाव की भावना हो ।

(iv) 'साईं इतना दीजिए जा में कुटुंब समाय । मैं भी भूखा न रहूँ, साधू न भूखा जाए' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। (2)

(v) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक बताते हुए उससे प्राप्त सीख का वर्णन कीजिए । (2)

2 नीचे दिए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

आज करना है जिसे, करते उसे हैं आज ही ।
सोचते कहते हैं जो कुछ कर दिखाते हैं वही ।।
मानते जी की हैं सुनते हैं, सदा सबकी कही ।
जो मदद करते हैं अपनी इस जगत में आप ही ।।
भूलकर भी दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं ।
कौन ऐसा काम है, वे कर जिसे सकते नहीं ।।
जो कभी अपने समय को यों बिताते हैं नहीं ।
काम करने की जगह बातें बनाते हैं नहीं ।।
आज कल करते हुए जो दिन गँवाते हैं नहीं ।
यत्न करने में कभी जो जी चुराते हैं नहीं ।।
बात है वह कौन जो होती नहीं उनके लिए ।
वे नमूना आप बन जाते हैं औरों के लिए ।।

(i) कर्मवीर समय का सदुपयोग किस तरह करते हैं ? (1)

(क) हर काम को पूर्ण करते हैं । (ख) आज का काम कल पर नहीं छोड़ते ।
(ग) बेकार की बातों में समय बरबाद नहीं करते (घ) आलस्य में समय नहीं गँवाते हैं।

(ii) 'भूलकर भी दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं' पंक्ति का भावार्थ है - (1)

(क) वे दूसरों की मदद के लिए आगे बढ़ते हैं (ख) वे दूसरों की मदद नहीं लेते
(ग) वे दूसरों की सलाह नहीं मानते (घ) वे दूसरों से मदद की उम्मीद नहीं रखते

(iii) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किन लोगों के गुणों का गान किया है ? (1)

(क) जो कर्मवीर तथा स्वाभिमानी होते हैं | (ख) जो समय का सदुपयोग नहीं करते हैं
(ग) जो किसी की मदद करने में पीछे नहीं रहते | (घ) जिनकी कथनी-करनी असमान होती है।

(iv) कर्मवीर लोगों के काम करने के तरीके की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए | (2)

(v) हम दूसरों के लिए उदाहरण कब बन सकते हैं ? (2)

खंड - 'ख'

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : (8X1=8)

(i) 'पराश्रित' का वर्ण विच्छेद कीजिए ।

(ii) हंसी, संन्यासी, संमान - उचित स्थान पर लगे अनुस्वार युक्त शब्द छाँटकर लिखिए ।

(iii) 'राम तेज़ दौड़ते हुए मंदिर पहुँचा' - वाक्य में से अनुनासिक युक्त शब्द छाँटकर लिखिए ।

(iv) गुरुचरणों का वंदन शिष्यों का फ़र्ज़ है - वाक्य में से नुक्ता युक्त शब्द छाँटकर लिखिए ।

(v) 'निर्जीव' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?

(vi) 'इनसानियत' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है ?

(vii) 'जो नष्ट होने वाला हो ' - वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए ।

(viii) 'धारा' के कोई दो अनेकार्थी शब्द लिखिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : (8X1=8)

(i) 'लौह के समान पुरुष' - समस्त पद बनाकर लिखिए ।

(ii) 'नवरत्न' का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए ।

(iii) 'सूर्यास्त' की संधि विच्छेद कीजिए ।

(iv) 'नै + अक' की संधि कीजिए ।

(v) इस नगर की गलियाँ सँकरी हैं ।' - कारक का भेद लिखिए ।

(vi) 'विद्यार्थी अनुशासन में रहते हैं |' - काल का भेद लिखिए ।

(vii) दुर्घटना की ख़बर मिलने पर वह <u>बहुत</u> रोया ।' - रेखांकित क्रियाविशेषण का भेद लिखिए ।

(viii) जबसे मैंने अपने पड़ोसी की असलियत जानी है; वह मुझे फूटी आँख नहीं सुहाता है । - वाक्य में से मुहावरा छाँटकर लिखिए।

खंड - 'ग'

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक सटीक विकल्प का चयन कीजिए : (5X1=5)

बाज की ऐसी करुण चीख सुनकर साँप कुछ सिटपिटा-सा गया। एक क्षण के लिए उसके मन में उस आकाश के प्रति इच्छा पैदा हो गई जिसके वियोग में बाज इतना व्याकुल होकर छटपटा रहा था। उसने बाज से कहा-"यदि तुम्हें स्वतंत्रता इतनी प्यारी है तो इस चट्टान के किनारे से ऊपर क्यों नहीं उड़ जाने की कोशिश करते । हो सकता है कि तुम्हारे पैरों में अभी इतनी ताकत बाकी हो कि तुम आकाश में उड़ सको । कोशिश करने में क्या हर्ज़ है ?"

बाज में एक नयी आशा जग उठी । वह दूने उत्साह से अपने घायल शरीर को घसीटता हुआ चट्टान के किनारे तक खींच लाया। खुले आकाश को देखकर उसकी आँखें चमक उठीं। उसने एक गहरी, लंबी साँस ली और अपने पंख फैलाकर हवा में कूद पड़ा।

किंतु उसके टूटे पंखों में इतनी शक्ति नहीं थी कि उसके शरीर का बोझ सँभाल सकें। पत्थर-सा उसका शरीर लुढ़कता हुआ नदी में जा गिरा। एक लहर ने उठकर उसके पंखों पर जमे खून को धो दिया, उसके थके-माँदे शरीर को सफ़ेद फेन से ढक दिया, फिर अपनी गोद में समेटकर उसे अपने साथ सागर की ओर ले चली।

लहरें चट्टानों पर सिर धुनने लगीं मानो बाज की मृत्यु पर आँसू बहा रही हों। धीरे-धीरे समुद्र के असीम विस्तार में बाज आँखों से ओझल हो गया।

(i) बाज के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है ?

(क) बाज ने अंतिम साँस तक कोशिश की
(ख) वह ऊँचे आकाश में उड़ गया
(ग) बाज की मृत्यु पर लहरों ने शोक मनाया
(घ) उसे स्वतंत्रता से प्रेम है

(ii) बाज की आँखें क्यों चमक उठीं ?

(क) ऊँची चट्टान का किनारा देखकर
(ख) नदी में उठती लहरें देखकर
(ग) नदी का निर्मल जल देखकर
(घ) विस्तृत खुला आकाश देखकर

(iii) घायल बाज ने जब उड़ने की कोशिश की तब क्या परिणाम हुआ ?

(क) वह उड़ने में सफल हो गया
(ख) वह चट्टानों पर जा गिरा
(ग) वह नदी में जा गिरा
(घ) वह पर्वत पर जा गिरा

(iv) 'सिर धुनना'- मुहावरे का अर्थ है -

(क) अफ़सोस होना (ख) धोखा देना (ग) खिलखिलाकर हँसना (घ) सिरदर्द होना

(v) साँप बाज का उत्साह क्यों बढ़ा रहा था ?

(क) उसके दर्द को कम करने के लिए
(ख) उसका मन दूसरी ओर लगाने के लिए
(ग) आकाश में उड़ने के प्रति उसकी छटपटाहट देखकर
(घ) बाज से अपना पिंड छुड़ाने के लिए

6 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनिए : (5X1=5)

मैया, कबहिं बढ़ैगी चोटी ?

किती बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं, ह्वै है लाँबी-मोटी।
काढ़त-गुहत न्हवावत जैहै, नागिन सी भुइँ लोटी।
काँचौ दूध पियावत पचि-पचि, देति न माखन-रोटी।
सूर चिरजीवौ दोउ भैया, हरि-हलधर की जोटी।

तेरैं लाल मेरौ माखन खायौ।
दुपहर दिवस जानि घर सूनो ढूँढ़ि-ढँढ़ोरि आपही आयौ।
खोलि किवारि, पैठि मंदिर मैं, दूध-दही सब सखनि खवायौ।
उखल चढ़ि, सींके कौ लीन्हौ, अनभावत भुइँ मैं ढरकायौ।
दिन प्रति हानि होति गोरस की, यह ढोटा कौनैं ढँग लायौ।
सूर स्याम कौं हटकि न राखै तैं ही पूत अनोखौ जायौ।

(i) ‘तू जो कहति बल की बेनी’ काव्यांश में ‘बल’ शब्द का पर्यायवाची निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द है ?

(क) बलवान (ख) बलराम (ग) निर्बल (घ) कृष्ण

(ii) 'गोरस' का आशय क्या है ?

(क) दूध से बने पदार्थ (ख) गोबरधन (ग) बछड़े (घ) गौधन

(iii) श्रीकृष्ण ने गोपी के घर से क्या चुराकर खा लिया था, जिसकी शिकायत वह माता यशोदा से कर रही थी ?

(क) घी (ख) माखन (ग) दही (घ) दूध

(iv) श्रीकृष्ण गोपी के घर में निम्नलिखित में से किस समय आए थे ?

(क) प्रातःकाल (ख) रात के समय (ग) शाम के समय (घ) दोपहर के समय

(v) गोपी कृष्ण को कैसा पुत्र कहती है ?

(क) शरारती (ख) अनोखा (ग) चोर (घ) नटखट

7 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए : (3x3=9)

(i) बदलू का स्वभाव कैसा था ? उसका चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए |

(ii) जीवन के महान मूल्यों के प्रति आस्था क्यों हिलने लगी है ?

(iii) 1992 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पुडुकोट्टई की महिलाओं ने किस प्रकार लोगों को हक्का - बक्का कर दिया ?

(iv) बूँद के लिए कौन- सा दृश्य बहुत ही अनोखा नजारा था ?

8 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए : (3x3=9)

(i) ‘दीवानों की हस्ती’ कविता में ऐसी कौन-सी बात है जो आपको सबसे अच्छी लगी और क्यों ?

(ii) भगवान के डाकिए परंपरागत डाकियों से किस प्रकार भिन्न ?

(iii) ‘अभी भी भीड़ है स्टेशन पर’ इस कथन के द्वारा कवयित्री क्या कहना चाह रही हैं ?

(iv) श्री कृष्ण ने सुदामा के साथ सच्चे मित्र का कर्तव्य किस तरह निभाया ?

खंड - ‘घ’

9 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : (1x5=5)

(क) बढ़ते उद्योग कटते वन

- वृक्षों से लाभ
- वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम
- वृक्षारोपण
- उपसंहार

(ख) योग और वसुधैव कुटुम्बकम्

- योग और वसुधैव कुटुम्बकम् का अर्थ
- दोनों एक-दूसरे के पूरक
- भूमंडलीकरण का महत्वपूर्ण अंग, निष्कर्ष

(ग) मोबाइल पर खेले जाने वाले खेल और मानव

- आउट-डोर खेलों में कमी
- आँखों और शरीर के अन्य अंग प्रभावित
- सोच में संकीर्णता, निष्कर्ष

10 (क) आपके मोहल्ले में कुछ बदनाम लड़कों द्वारा गुंडागर्दी की जा रही है । उसकी रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को गश्त बढ़ाने हेतु लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए | (1x5=5)

अथवा

(ख) अपने क्षेत्र में बिजली की अनियमितताओं की शिकायत करते हुए क्षेत्रीय विद्युत् अधिकारी को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

11 (क) आप रजत / राधिका राणा छात्र संघ के अध्यक्ष हैं। आपके विद्यालय में 'आत्मरक्षा शिविर' का आयोजन होने जा रहा है । इसके संबंध में छात्रों को सूचित करते हुए लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए। (1x5=5)

अथवा

(ख) दो पड़ोसिनों के बीच कॉलोनी में बढ़ती गंदगी को लेकर फ़ोन पर हुई बातचीत को (लगभग 80 शब्दों में) संवाद शैली में लिखिए ।

12 (क) जूता विक्रेता के निर्देशानुसार जूते-चप्पल बनाने वाली कंपनी के लिए लगभग 40-50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए । (1x3=3)

अथवा

(ख) आपके शहर में एक नया वॉटर पार्क खुला है, जिसमें पानी के खेल, रोमांचक झूलों, मनोरंजक खेलों और खान-पान की व्यवस्था है । इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए ।

13 चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर मन में उभरे विचारों को समाहित करते हुए 70-80 शब्दों में चित्र वर्णन कीजिए | (1x4=4)